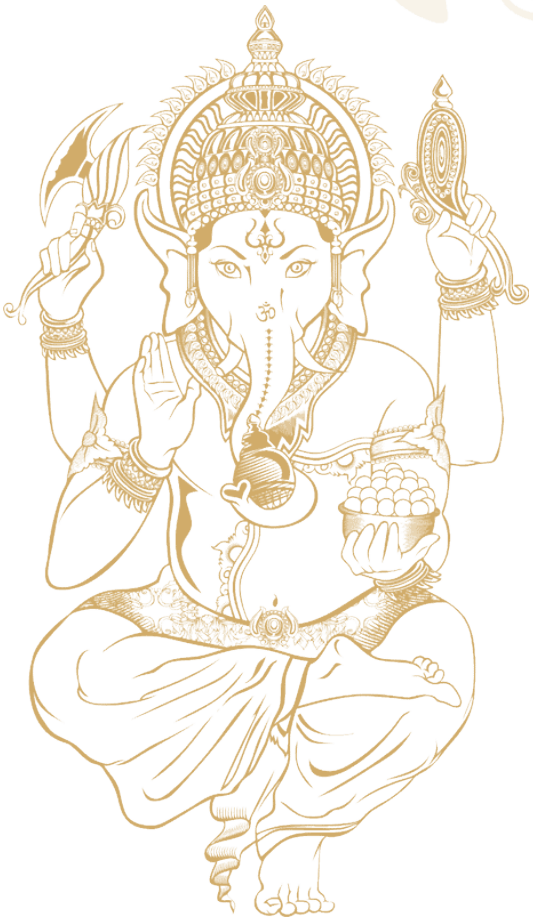

20 Jan 2026

10:49 AM

Delhi

Model: web-freekundliweb

Order No: 120985707

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**20/01/2026**
दिन	मंगलवार
जन्म समय	**10:49:00 घंटे**
इष्ट	08:56:30 घटी
स्थान	**Delhi**
देश	India

अक्षांश	28:39:00 उत्तर
रेखांश	77:13:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:21:08 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	10:27:52 घंटे
वेलान्तर	-00:10:57 घंटे
साम्पातिक काल	18:26:17 घंटे
सूर्योदय	07:14:24 घंटे
सूर्यास्त	17:50:12 घंटे
दिनमान	10:35:48 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	उत्तरायण
सूर्य स्थिति(गोल)	दक्षिण
ऋतु	शिशिर
सूर्य के अंश	05:55:43 मकर
लग्न के अंश	15:08:38 मीन

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	मीन - गुरु
राशि-स्वामी	**मकर - शनि**
नक्षत्र-चरण	**श्रवण - 4**
नक्षत्र स्वामी	चन्द्र
योग	सिद्धि
करण	बालव
गण	देव
योनि	वानर
नाड़ी	अन्त्य
वर्ण	वैश्य
वश्य	जलचर
वर्ग	मार्जार
युँजा	अन्त्य
हंसक	भूमि
जन्म नामाक्षर	खो-खोकरन
पाया(राशि-नक्षत्र)	स्वर्ण - ताम्र
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	कुम्भ

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			मीन	15:08:38	511:30:13	उ०भाद्रपद	4	26	गुरु	शनि	गुरु	---
सूर्य			मक	05:55:43	01:01:05	उत्तराषाढ़ा	3	21	शनि	सूर्य	बुध	शत्रु राशि
चंद्र			मक	22:06:43	12:45:28	श्रवण	4	22	शनि	चंद्र	शुक्र	सम राशि
मंगल		अ	मक	03:18:46	00:46:41	उत्तराषाढ़ा	2	21	शनि	सूर्य	शनि	उच्च राशि
बुध		अ	मक	04:59:13	01:39:59	उत्तराषाढ़ा	3	21	शनि	सूर्य	शनि	सम राशि
गुरु	व		मिथु	24:34:16	00:07:48	पुनर्वसु	2	7	बुध	गुरु	बुध	शत्रु राशि
शुक्र		अ	मक	09:09:40	01:15:25	उत्तराषाढ़ा	4	21	शनि	सूर्य	शुक्र	मित्र राशि
शनि			मीन	03:19:59	00:05:07	पू०भाद्रपद	4	25	गुरु	गुरु	राहु	सम राशि
राहु	व		कुंभ	15:10:13	00:03:28	शतभिषा	3	24	शनि	राहु	केतु	मित्र राशि
केतु	व		सिंह	15:10:13	00:03:28	पू०फाल्गुनी	1	11	सूर्य	शुक्र	शुक्र	शत्रु राशि
हर्ष	व		वृष	03:19:59	00:00:46	कृतिका	2	3	शुक्र	सूर्य	शनि	---
नेप			मीन	05:37:16	00:01:21	उ०भाद्रपद	1	26	गुरु	शनि	बुध	---
प्लूटो			मक	09:05:50	00:01:55	उत्तराषाढ़ा	4	21	शनि	सूर्य	शुक्र	---
दशम भाव			धनु	11:48:49	--	मूल	--	19	गुरु	केतु	बुध	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 24:13:22

लग्न-चलित

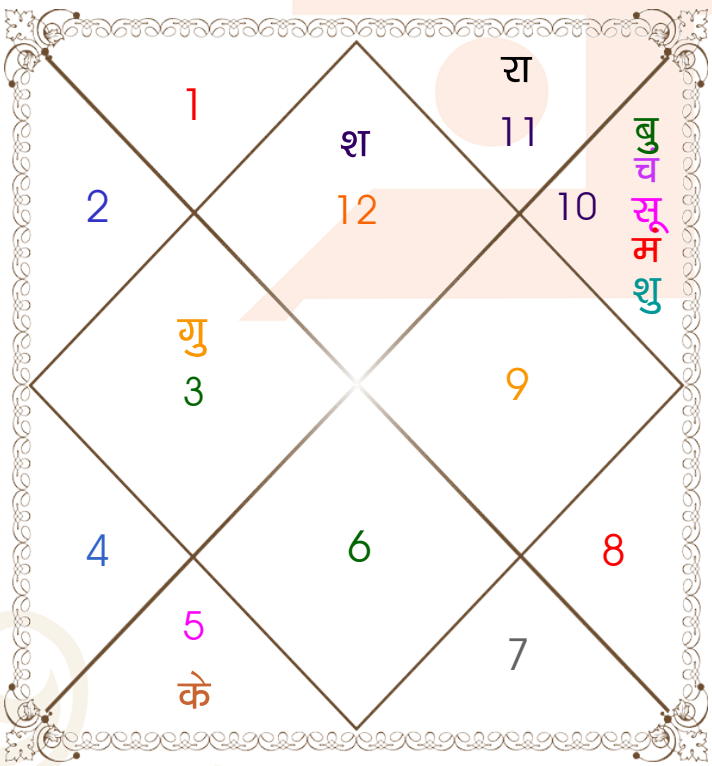

चन्द्र कुंडली

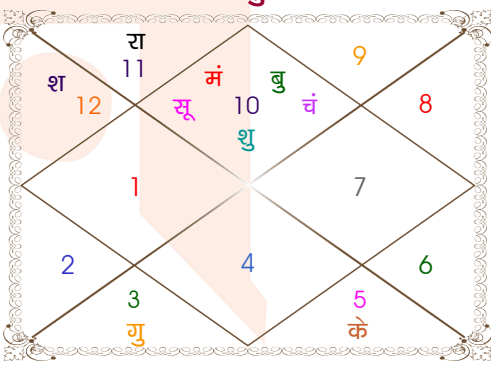

नवमांश कुंडली

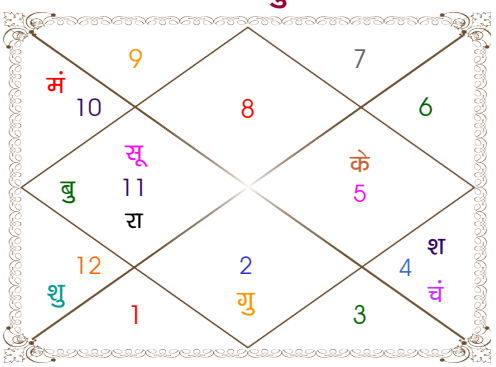

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : चन्द्र 0 वर्ष 10 मास 30 दिन

चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष	
20/01/2026		21/12/2026		20/12/2033		21/12/2051		21/12/2067	
21/12/2026		20/12/2033		21/12/2051		21/12/2067		21/12/2086	
	00/00/0000	मंगल	19/05/2027	राहु	01/09/2036	गुरु	07/02/2054	शनि	24/12/2070
	00/00/0000	राहु	05/06/2028	गुरु	26/01/2039	शनि	20/08/2056	बुध	02/09/2073
	00/00/0000	गुरु	12/05/2029	शनि	02/12/2041	बुध	26/11/2058	केतु	11/10/2074
	00/00/0000	शनि	21/06/2030	बुध	20/06/2044	केतु	02/11/2059	शुक्र	11/12/2077
	00/00/0000	बुध	18/06/2031	केतु	09/07/2045	शुक्र	03/07/2062	सूर्य	23/11/2078
	00/00/0000	केतु	14/11/2031	शुक्र	09/07/2048	सूर्य	21/04/2063	चंद्र	23/06/2080
	20/01/2026	शुक्र	13/01/2033	सूर्य	02/06/2049	चंद्र	20/08/2064	मंगल	02/08/2081
शुक्र	21/06/2026	सूर्य	21/05/2033	चंद्र	02/12/2050	मंगल	27/07/2065	राहु	08/06/2084
सूर्य	21/12/2026	चंद्र	20/12/2033	मंगल	21/12/2051	राहु	21/12/2067	गुरु	21/12/2086

बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष	
21/12/2086		22/12/2103		22/12/2110		22/12/2130		21/12/2136	
22/12/2103		22/12/2110		22/12/2130		21/12/2136		00/00/0000	
बुध	18/05/2089	केतु	19/05/2104	शुक्र	22/04/2114	सूर्य	10/04/2131	चंद्र	21/10/2137
केतु	15/05/2090	शुक्र	19/07/2105	सूर्य	22/04/2115	चंद्र	10/10/2131	मंगल	22/05/2138
शुक्र	15/03/2093	सूर्य	24/11/2105	चंद्र	21/12/2116	मंगल	15/02/2132	राहु	21/11/2139
सूर्य	20/01/2094	चंद्र	25/06/2106	मंगल	20/02/2118	राहु	08/01/2133	गुरु	22/03/2141
चंद्र	21/06/2095	मंगल	21/11/2106	राहु	20/02/2121	गुरु	27/10/2133	शनि	22/10/2142
मंगल	17/06/2096	राहु	10/12/2107	गुरु	22/10/2123	शनि	09/10/2134	बुध	22/03/2144
राहु	05/01/2099	गुरु	14/11/2108	शनि	22/12/2126	बुध	16/08/2135	केतु	21/10/2144
गुरु	13/04/2101	शनि	24/12/2109	बुध	21/10/2129	केतु	22/12/2135	शुक्र	21/01/2146
शनि	22/12/2103	बुध	22/12/2110	केतु	22/12/2130	शुक्र	21/12/2136		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल चंद्र 0 वर्ष 10 मा 27 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म उत्तरा भाद्रपद नक्षत्र के चतुर्थ चरण में मीन लग्न में हुआ था। ज्योतिषीय आकृति से यह स्पष्ट हो रहा है कि आपके जन्मकाल मेदिनीय क्षितिज पर लग्नोदय के साथ-साथ वृश्चिक नवमांश एवं कर्क राशि का द्रेष्काण भी उदित था। अंत में आपके जीवन की परियोजना की आकृति आपको विपुल संपत्ति से युक्त एवं समृद्धिशाली बनाता है। परंतु आपके सामने अबरुद्धता पेश आएगी। यह अवरुद्धता अनिश्चितता की ओर सूचित करता है तथा वृश्चिक नवमांश बिन्दु संभावित मनोवृति के अनुसार आपको अर्थहीन एवं रोगादि की सूचना देते हैं। परंतु आपकी जन्म यह सूचित करता है कि आपका जन्म नवमांश प्रभाव एवं जन्मराशि तथा भाग्य के मध्य प्रतिद्वन्द्विता उत्पन्न करता है। अंत में जन्म लग्न मीन एवं उत्तरा भाद्रपद नक्षत्र यह दोनों अपनी शुभता के अनुसार आपके जीवन को स्वस्थ, धनी, आनंदायक बनाने के लिए बचन बद्ध होकर आशांवित करता है।

इसलिए परिस्थिति के अनुकूल आपकी पकड़ के प्रभाव से आपकी संपूर्ण उन्नति संभाव्य है जबकि आप अवरोधक तत्व को जीवन की सफलता हेतु हटा दे। आपमें इन मुद्दों को संघर्ष पूर्वक निरस्तर एवं पराजित करने के आवश्यक गुण विद्यमान है। आप निश्चित रूप से उभर कर उच्च पद प्राप्त करेंगे। आपको अपनी दो विशेषताओं का परित्याग करना पड़ेगा। वासना एवं आकर्षित होना यह दोनों आदतें बुरी हैं। आपके जीवन में वासना के प्रति सम्मोहित हो जाना तथा रूचिवान बनना महत्त्वपूर्ण वस्तु है, तथा मद्यपान के प्रति बहुत अधिक प्रभावित होना। यह एक शाप के समान है। आप सावधानी पूर्वक इस प्रवृति का परित्याग करें। अन्यथा आप इन चीजों में आसक्त हो जाएंगे।

यदि आप इन दो नकारात्मक वस्तुओं पर विजय प्राप्त कर लिए तो निश्चित रूप से सुखद बात-चीत के योग्य अपना जीवन व्यतीत कर सकते हैं तथा धन्नादि के संबंध में बहुत प्राप्ति कर सकेंगे। परंतु आपको अपने फिजूल खर्चीली प्रवृति के प्रति विमुख होना होगा। यदि इसी प्रकार की फिजूल खर्ची के माध्यम से धन बाहर निकलता रहा तो आपकें धन प्राप्ति के माध्यम दुर्बल हो जाएंगे। इस प्रकार यदि आप अपने जीवन में एक मत से अपने कार्य व्यवसाय के प्रति सुनिश्चित होकर कार्यान्वित करतें रहे तो आप अपने कार्य-व्यवसाय में उच्चता प्राप्त कर सकते हैं। आप एक प्यारी पत्नी आज्ञाकारी पुत्र एवं प्रपौत्र के साथ प्रसन्नतम पारिवारिक जीवन यापन करेंगे।

आप अच्छी प्रकार बुद्धिमत्ता पूर्वक अपने अधिनस्थ प्रबंध व्यवस्था कर लिए तो आप समाज में विख्यात एवं प्रतिष्ठित होंगे। आप सर्वथा अपने मित्र मंडली के साथ संबंधित रहेंगे। लेकिन आप सतर्कतापूर्वक यह अंगीकृत करना चाहिए कि आपके कुछ मित्र कुटिलतापूर्वक आपके विरुद्ध आचरण करेंगे। अतएव सर्वप्रथम उनकी मनोवृति का गहन अध्ययन कर के ही उन पर विश्वास किया जाए।

वैसे मीन राशीय प्राणी सामान्यतः भावुक होते हैं परंतु आप इस प्रवृति से परे हैं। यह गुण आपको आश्चर्यजनक स्तर का निर्माण कराता है। इस प्रकार यदि आप

बुद्धिमत्तापूर्वक काव्य की रचना अथवा चित्रकारिता अथवा गायन के प्रति रूचिवान रहे तो एक सफल गायक कलाकार हो सकते हैं तथा कलाकारिता के क्षेत्र में चमत्कृत हो सकते हैं। आप हर दृष्टिकोण से धार्मिक बुद्धि के व्यक्ति हैं। आप भगवान के प्रति श्रद्धा और विश्वास रखते हैं। यदि आप बार-बार या सतत धार्मिक आचरण करते रहे तो जीवन में आपकी महत्वकांक्षा विकसित होगी तथा पुर्नजन्म के बंधन से मुक्त हो कर मोक्ष की प्राप्ति करेंगे।

यदि आप अपने जीवन पथ पर किसी भी प्रकार से अग्रसर होना चाहते हैं तो उत्तम यह है कि निम्नांकित निर्देशों का पालन करें।

आपके लिए साप्ताहिक दिनों में उत्तम मंगलवार, गुरुवार एवं शनिवार का दिन भाग्यशाली है। इसके अतिरिक्त सप्ताह के बुधवार, शुक्रवार एवं शनिवार का दिन प्रतिकूल है। इन दिनों किसी भी प्रकार का महत्त्वपूर्ण कार्य अथवा व्यवसाय आदि का निर्णय या व्यवहार न करें।

आप रंगों में नीले रंग को छोड़ कर शेष रंग लाल, गुलाबी, नारंगी एवं पीले रंग का उपयोग अपने जीवन में करें। ये रंग आपके हित अनुकूल एवं प्रसन्नतादायक है।